that this is a legitimate demand. Let us see how we can work it out. *(Interruptions)*

*304. [The Questioner (Shri JANARDAN YADAV) was absent. For answer, vide page .....infra.]

Implementation of Durgah Khwaja Sahib Act

†*305. SHRI ONKAR SINGH LAKHAWAT: Will the Minister of SOCIAL JUSTICE AND EMPOWERMENT be pleased to state:

(a) the steps being taken by Government for the effective implementation of Durgah Khwaja Sahib Act, alongwith the details thereof; and

(b) the details of amount spent on permanent and temporary arrangements in the last five years by Durgah Committee, Ajmer to provide facilities for pilgrims?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF SOCIAL JUSTICE AND EMPOWERMENT (SHRIMATI MANEKA GANDHI): (a) In order to effectively implement the Durgah Khwaja Sahib Act, the Government appoints the Durgah Committee which manages the affairs of the Durgah and its endowments. The Central Government keeps a close watch on the activities of the Durgah by calling for information/report and reviewing the activities of the Committee from time to time.

(b) A statement is laid on the Table of the House.

† Original notice of the question was received in Hindi.

Statement

Implementation of Durgah Khwaja Sahib Act

A *Expenditure on permanent arrangements*

Sl. No.	Expenditure	Year 1994-95	Year 1995-96	Year 1996-97	Year 1997-98	Year 1998-99
1.	Development of Durgah Apartments	1,75,489/-	1,07,306/-			
2.	Construction G Block			3,05,500/-	4,38,000/-	26,19,450/-
3.	Maintenance Guest House	1,88,152/-	2,40,977/-	2,14,957/-	2,41,626/-	4,03,838/-
	TOTAL	3,63,641/-	3,48,283/-	5,20,457/-	6,79,626/-	30,23,288/-
	GRAND TOTAL	49,35,295/-				

B *Expenditure on temporary arrangements*

Sl. No.	Expenditure	Year 1994-95	Year 1995-96	Year 1996-97	Year 1997-98	Year 1998-99
1.	Urs Expenses	1,82,549/-	1,97,314/-	2,12,287/-	2,00,590/-	3,88,767/-
2.	Shamiyanas	9,920/-	12,629/-	13,593/-	17,997/-	22,692/-
3.	Electricity	5,46,801/-	5,59,236/-	5,21,286/-	4,64,564/-	4,60,837/-
4.	Repair City Properties	1,62,970/-	75,891/-	77,513/-	58,718/-	1,31,002/-

5.	Maintenance Shariff	Dargah	3,06,327/-	1,05,841/-	1,43,055/-	1,15,810/-	2,72,229/-
6.	Pipe Line		22,383/-	42,739/-	32,237/-	38,486/-	62,301/-
7.	Dispensary		75,568/-	97,758/-	97,588/-	1,12,410/-	1,13,657/-
	TOTAL		13,06,518/-	10,91,408/-	10,97,559/-	10,08,575/-	14,51,485/-
	TOTAL A TO E		59,55,545/-				

श्री ओंकार सिंह लखावत: सभापति महोदय, अजमेर की ख्वाजा साहब की दरगाह अन्तर्राष्ट्रीय श्रद्धा का केन्द्र है और दुनियाभर से श्रद्धालु यहां आए दिन आते है।

क—महोदय, आपके माध्यम से मैं मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि जो ख्वाजा साहब ऐक्ट बना हुआ है क्या इसमें संशोधन करने के नाते प्रभावी रूप से जायरीनों को सुविधाएं देने, वहां का विकास करने और इसको दुनिया के नक्शे पर लाने की दृष्टि से कार्य करने के लिए कोई संशोधन अधिनियम लागू करने जा रहे हैं?

ख—इस ऐक्ट को प्रभावी रूप से लागू करने के लिए जो दरगाह कमेटी बनी है क्या इसमें अजमेर के भी किसी व्यक्ति को नियुक्त करने की मंशा रखते हैं? आज तक अजमेर के किसी भी व्यक्ति को उस कमेटी के अंतर्गत नियुक्त नहीं किया है। बाहर के लोग साल में दो बार मीटिंग करने के लिए आते हैं और वापस चले जाते हैं।

SHRIMATI MANEKA GANDHI: Sir, it is true that the present Act has a lot of lacuna in it. These have made it difficult for us to either punish people or to do something very effective with the Dargah Act. So, we have gone in for an amendment. We are going to change the Act to make it more stronger and effective. We are asking the DM and the SP of Ajmer to monitor the whole thing. At the moment, the amendments have been worked out. However, before bringing them to the House, we have sent them to the current Dargah Committee so that they can see what they would like to do to make it more effective.

श्री ओंकार सिंह लखावत: सभापति महोदय, मेरा दूसरा सप्लीमेंट्री प्रश्न यह है कि दरगाह ख्वाजा साहब ऐक्ट के तहत जो दरगाह कमेटी बनाई है, इसके एस्टेबलिस पर गए वर्ष कितना खर्च किया गया और इसके विकास पर कितना खर्च किया? कहीं ऐसा तो नहीं कि अधिकारियों की तनख्वाह पर ही खर्च करते रहे हैं और विकास पर कुछ खर्च नहीं कर रहे हैं। मुझे जो चार्ट दिया गया है उससे तो ऐसा लगता है कि लाखों ज़ायरीन प्रतिवर्ष आते हैं परंतु उनकी सुविधा के लिए कमेटी कुछ नहीं कर रही है।

SHRIMATI MANEKA GANDHI: A certain amount has been spent on the development of Dargah apartments, on guest houses, on Urs expenses, Shamiyanas, electricity, repair of properties, maintenance of pipelines and dispensaries.

श्री ओंकार सिंह लखावत: सभापति महोदय, मेरा प्रश्न यह था कि वहां पर जो टोटल कर्मचारी हैं उन पर कितना खर्च कर रहे हैं और ज़ायरीनों पर कितना खर्च कर रहे हैं। यह बहुत महत्वपूर्ण प्रश्न है, क्योंकि यह विश्व का बहुत बड़ा पिल्ग्रिम सेंटर है। वे बेचारे परेशान होते हैं,

उनको रहने के लिए छत नहीं मिलती, वहां पानी नहीं मिलता, ठहरने की जगह नहीं है, यात्रियों के लिए गेस्ट हाउस नहीं है।

SHRIMATI MANEKA GANDHI: Sir, this is a good question. I do not have the information at the moment on the amount we spend on salary of each person. I would get the information and give it to the hon. Member.

श्री सुरेश पचौरी: माननीय सभापति महोदय, दरगाह ख्वाजा साहब ऐक्ट में संशोधन का प्रस्ताव पिछले कई वर्षों से लंबित है। इस संबंध में इस सदन में प्राइवेट मेम्बर्स बिल भी आया था और उस समय के तत्कालीन मंत्री ने यह आश्वासन दिया था कि दरगाह ख्वाजा साहब ऐक्ट में अतिशीघ्र संशोधन किया जाएगा और उसे प्रभावी बनाने के लिए कारगर कदम उठाए जाएंगे। मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि दरगाह ख्वाजा साहब ऐक्ट में कब तक संशोधन किया जाएगा? क्या इसकी कोई समय सीमा है? साथ ही दरगाह कमेटी में जो नामिनेशन की बात है, उसमें क्या दरगाह ख्वाजा साहब के चीफ, सज्जादनशीन जो जियारत कराते हैं, उनको इस कमेटी में रखा जाएगा क्योंकि प्रायः देखा जाता है कि बाहर के लोग ही इसमें रखे जाते हैं?

मेरे प्रश्न का तीसरा भाग यह है जो एक्सपेंसिव दिखाए गए हैं वे प्रतिवर्ष बढ़े हुए दिखाए गए हैं जैसे 1998-99 का एक्सपेंसिव पिछले वर्षों की तुलना में ज्यादा बताया गया है। क्या जियारत करने वाले लोगों की संख्या में वृद्धि हो रही है? यदि हो रही है तो प्रतिवर्ष किस अनुपात में हो रही है?

SHRIMATI MANEKA GANDHI: Sir, the first part of the question is whether I can give a timeframe about bringing in the amendments. At the moment it is in last stages. The Dargah Committee is being consulted. As soon as that is done, it should be brought to the House in one of the Parliament sessions in the year 2000. The quicker we bring in, the better it would be.

The second part of the question, as I understand, is how many people go there. I cannot give answer to that. I just have a copy of the expenses on them. The hon. Member has already got that.

SHRI SURESH PACHOURI: Sir, I asked whether the Sajjadnashin Chief of the Ajmer Dargah Committee will be included in the Committee.

SHRIMATI MANEKA GANDHI: Yes, Sir.

†श्री मोहम्मद आज़म खान: सभापति महोदय, दरगाह कमेटी और रायआम्मा का ख्याल है कि इसकी देखभाल के लिए वहीं के ज़ायरीन और सज्जादे साहब को गालेबन आपने बताया कि मेम्बर बनाया जाए। प्रायः यह देखा गया है कि दरगाह के सज्जादगान को अगर कमेटी में शामिल किया गया है तो नज्म ठीक होने के बजाय खराब हो गया है। पहले यह देखा गया है कि सज्जादगान को अगर कमेटी में शामिल किया है तो नज़म ठीक होने के बजाय खराब हो गया। इस बार पुनः विचार कर लें कि दरगाह के लोगों को कमेटी में शामिल करना बेहतर होगा या नहीं होगा। नम्बर दो, एक्ट में लेकूना होने की वजह यह रही है कि मुस्लिम स्कालर्ज़ से उस पर कोई राय नहीं ली गई, सिर्फ अधिकारियों ने एक्ट बना दिया, वह एक्ट लेकूना रहते हुए रहा। क्या ऐसा कोई प्रस्ताव आपके सामने है या ऐसी सोच है कि जब इस एक्ट में संशोधन किया जाए तो कम से कम मुस्लिम स्कालर्ज़ से भी कोई राय-मशविरा ले लिया जाए। बहुत सी चीज़ें एक्ट में आ जाती हैं जो मुस्लिम शरा के खिलाफ होती हैं और ज़ायरीन को परेशानी होती है। तीसरा यह है कि ज़ायरीन को बड़ी दुश्वारी होती है। इस तरह की जितनी दरगाहें हिन्दुस्तान में हैं वहां ठरहने, नहाने-धोने, टॉयलेट्स वगैरह की बहुत परेशानी होती है। इसका मतलब यह नहीं है कि दरगाह की आमदनी कम है। एक दिन जा कर आप दरगाह की आदमनी का जायज़ा लें। मुझे याद है इलस्ट्रेटिड वीकली में एक आर्टिकल निकला था, सिर्फ इसी दरगाह के लिए निकला था कि अगर किसी एक साल की आमदनी रोक कर एक यूनीवर्सिटी चलाना चाहें तो मुसलमान इससे एक यूनीवर्सिटी चला सकते हैं। आमदनी की कमी नहीं है। कोशिश इस बात की होनी चाहिये कि दरगाह की गुल्लक में जो पैसा आता है वह कहां जाता है, उस पर कोई ऐसा चेक होना चाहिये, उसमें कोई सील या ताला हो। पीरान कल्चर में जब उर्स होता है, जो पैसा गुल्लक में पड़ता है, शाम को इनकी कमेटी के लोग बैठते हैं, उनके सामने वह पैसा गिना जाता है। इस तरह की अगर कोई व्यवस्था करते हैं तो मैं समझता हूं कि अपना खर्च उठाने के लिए दरगाह खुद ही सक्षम है।

SHRIMATI MANEKA GANDHI: Sir, eminent Muslims have been associated with the making of the Act. The hon. Member is quite right that the Act is very weak because it did not allow the *nazim* to enforce any statutory provision to prevent anybody from misbehaving, misdirecting the money, to direct anybody to abstain from doing something. Nobody has the power to do that. Now, we are making the Act much stronger. Khadims will not be part of the committee. As I said earlier, before this Act formally comes here, it will go through as many eminent Muslim personalities as those on the Durgah Khwaja Committee.

† Transliteration of the speech in Persian script is available in the Hindi vession of the Debate.

DR. GOPALRAO VITHALRAO PATIL: Sir, there are many religious places where lakhs and lakhs of pilgrims go and put their offerings in the form of cash and kind. If trusts are formed and the money is entrusted to these trusts, then, they will be able to create all the facilities which are needed for the pilgrims. This is a very important phenomenon. Every day, the number of pilgrims visiting each and every place of worship is increasing. I would like to know whether the Government is thinking of forming trusts where the offerings of the devotees are collected in *dhaan petees* and opened just like it is done in pilgrims centres like Tirupati and Vaishno Devi. If such an open and transparent method is followed and trusts are formed, then, it will be very useful. You can create many facilities for the pilgrims. I would like to know whether the Government is thinking in these terms.

MR. CHAIRMAN: That's all right. Your question is clear.

SHRIMATI MANEKA GANDHI: Sir, it is good idea. Unfortunately, I am not in charge of any trust or anything like that. As far as the hon. Member's point on trusts is concerned, we will try and keep it in mind.

*306[*The question (DR. MOHAN BABU) was absent. For answer, vide page.....infra.*]

PF Payment to retired employees of Jessop and Company

†*307. SHRI DIPANKAR MUKHERJEE:†
SHRI NILOTPAL BASU:

Will the Minister of HEAVY INDUSTRIES AND PUBLIC ENTERPRISES be pleased to state:

(a) the current position of outstanding towards exempted P.F. A/c of Jessop and Company Ltd.;

(b) the number of retired employees who are not getting their P.F. dues because of employer's failure to deposit the money; and

(c) the action taken by Government against the erring management and the steps to arrange P.F. payment to the retired employees?

---

†The Question was actually asked on the floor of the House by Shri Dipankar Mukherjee.